**Paper - I**

# MT

**2017 .... .... 1100**

**MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - I**

**Time : 2 Hours** **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

**विभाग 1 - गद्य**

**उ.1. क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

**1) संजाल पूर्ण कीजिए ।** **2**

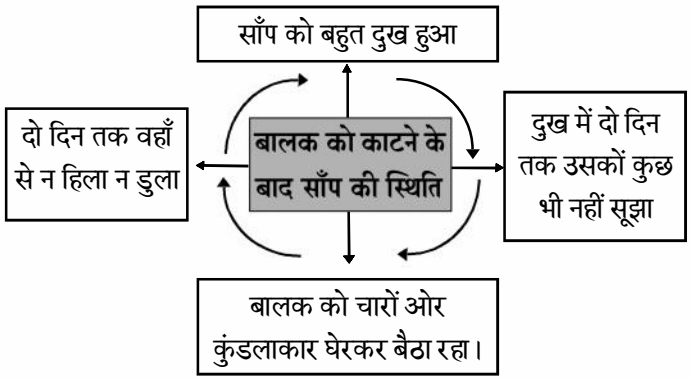


**2)** i) **परिच्छेद में प्रयुक्त समानार्थी शब्द लिखिए ।** **1**

(1) शरीर = देह

(2) चमक = आभा

ii) **लिंग पहचानकर लिखिए ।** **1**

(1) प्रार्थना = स्त्रीलिंग

(2) पहरा = पुल्लिंग

**3)** विषैला साँप जानलेवा प्राणी है, परंतु मनुष्य उसे भी अपने कैद में कर लेता है और तरह - तरह से उसका उपयोग करता है। साँप के विष से कुछ औषधियाँ बनाई जाती हैं। साँप की केंचुल (चमड़ी) का उपयोग फैशनेबल चीजें बनाने में किया जाता है। कुछ देशों में औषधि निर्माण के लिए साँप का विष निकालकर बेचना एक व्यवसाय बन गया है। उसका निर्यात भी किया जाता है। **2**

**उ.1.** **ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

**1)** i) **आकृति पूर्ण कीजिए।** 1

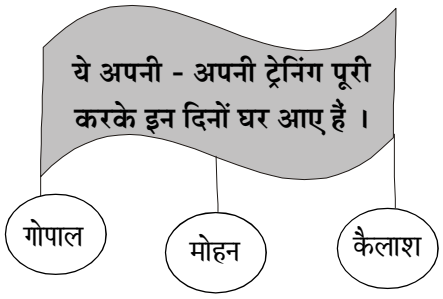




ii) **उचित पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।** 1

(1) कुछ दिनों के बाद ही अपना - अपना **कार्य सँभाल लेंगे।**

(2) दोनों साथ पड़ी **कुरसियों पर बैठते हैं।**

**2)** i) **सही शब्द तैयार कीजिए।** 1

(1) | वी | स | य | श | = यशस्वी

(2) | त्रि | त | आ | मं | = आमंत्रित

ii) **परिच्छेद से पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** 1

(1) कीर्तिवान → यशस्वी

(2) सेना → फौज

**3)** प्राचीन काल से गुरु, शिष्य का संबंध बड़ा ही गहरा और पवित्र रहा है। गुरु अपने शिष्य का सबसे बड़ा मार्गदर्शक होता है। उसके द्वारा दिए जाने वाला हर ज्ञान, शिष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है। गुरु शिष्य पर आने वाली हर मुसीबत में उसका साथ देता है। शिष्य भी अपने गुरु को भगवान स्वरूप मानता है। वह गुरु को ब्रम्हा, विष्णु और महेश समझता है। गुरु के कहे हर शब्द को वह आदेश मानकर उसका पालन करता है। 2

## विभाग 2 - पद्‌य

**उ.2.** **(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।** 2

**1)** i) **उत्तर लिखिए।**

(1) जो सुख, स्नेह और भय में संतुलित रहता है तथा सोने को भी मिट्‌टी समझता है।

(2) जो निंदा, प्रशंसा, लोभ, मोह और अहंकार से दूर हो।

(3) जो हर्ष, शोक, मान, अपमान से दूर रहता हो।

(4) जो इच्छारहित और काम-क्रोध से दूर हो

**2) विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।** **1**

i) हर्ष × शोक

ii) भय × निर्भय

**3)** साधु का सबसे बड़ा गुण होता है कि वह मोह-माया से दूर रहता है। वह सुख-दुख, मान-अपमान में सदा समानरहता है। वह धैर्य की प्रतिमूर्ति होता है। उसके अंदर परमार्थ की भावना कूट-कूट कर भरी होती है। वह क्रोध से मुक्त व सहनशीलता के गुणों से भरा होता है। साधु पुरुष हिंसा मुक्त होता है। वह हर वक्त ईश्वर भक्ति में लीन रहता है। वह संसार में भले ही हो लेकिन वाणी से ईश्वर का नाम जपता रहता है। **2**

**उ.2. (छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

**1)** i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) आम का बौर।

(2) आम के वृक्ष पर ।

ii) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) हमें कुछ भी नहीं बोलना चाहिए।

(2) कोयल की तरफ ऊँगली नहीं उठानी चाहिए।

**2) सही शब्द तैयार कीजिए।** **1**

i) | वृ | म | क्ष | आ | = | आमवृक्ष |

ii) | र | म | ह | नो | = | मनोहर |

**3)** **2**

'ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करें, आपहुँ शीतल होय।।

वाणी मनुष्य को ईश्वर की दी हुई एक अनमोल देन है, मनुष्य को भी इस ईश्वरीय देन का सदुपयोग करना चाहिए। हमारे व्यवहार में मधुरवाणी का विशेष महत्त्व है। हमारे मीठे बोल किसी की अप्रसन्नता को प्रसन्नता में बदल सकते हैं, दुश्मनों को भी मित्र बना सकते हैं। इस तरह मधुर वचनों का प्रयोग करके हम दूसरों के साथ स्वयं को भी सुख प्रदान करते हैं।

## विभाग 3 - व्याकरण

**उ.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

**1) मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द पहचानिए ।** **1**

i) दुर्भाग्यपूर्ण ii) बहुमूल्य

**2) निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

माँ ने सिखाया कि बड़ों का आदर करना चाहिए ।

**3)** i) **काल पहचानिए ।** **1**

पूर्ण वर्तमानकाल

ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** **1**

साँप अनुमतिपूर्वक दाँत निकलवा देगा ।

**4)** i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

सड़क दुर्घटना में कई लोग **लहूलुहान हो गए** ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

**तिलांजलि देना** - समाप्त करना. (त्याग करना) ।

**वाक्य** - सिद्धार्थ घरबार को **तिलांजलि देकर** वन चले गए ।

## विभाग - 4 - रचना

**उ.4. 1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **4**

रमेश पांडे
इंद्रनगर,
फिरोजपुर।
दिनांक - 5 मार्च, 2017 ।

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर ।

**विषय :- औषधियाँ मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र ।**

माननीय महोदय,

मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ । मुझे जिन औषधियों की आवश्यकता होती है,वे सभी आपके यहाँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं ।

पिछले तीन-चार सालों से मैं आपके यहाँ से औषधियाँ खरीद रहा हूँ । कुछ दिन पहले ही मैंने आपके औषधि भंडार से कुछ दवाएँ मँगवाई थीं । उन दवाओं के सेवन से मुझे बहुत आराम मिला है । कुछ और देशी दवाइयाँ मँगवाना चाहता हूँ । पचास रुपए का पोस्टल ऑर्डर पत्र के साथ भेज रहा हूँ ।

**दवाओं की सूची इस प्रकार है :**

| क्रमसंख्या | औषधि का नाम | मात्रा |
|---|---|---|
| 1 | कायम चूर्ण | 300 ग्राम |
| 2 | च्यवनप्राश | 500 ग्राम |
| 3 | द्राक्षासव | 5 बोतल |
| 4 | शहद | 1 बोतल |

आशा है कि आप तुरंत औषधियाँ भेजने की कृपा करेंगे।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय

स्रमेश पांडे ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर

प्रेषक
रमेश पांडे,
इंद्रनगर,
फिरोजपुर

2) **सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए ।** 4

i) मेरा इरादा गरीबों को मदद करने का है ।

ii) उसका इरादा सबको धोखा देना है ।

iii) आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना अच्छा होगा ।

iv) जब तक वे कठिन मेहनत नहीं करेंगे, तब तक वे पास नहीं कर सकते ।

**3) निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए ।** **4**

एक शाम मैं परिवार जनों के साथ रिश्तेदार की शादी में गया था । वहाँ सारे मेहमान बड़े चाव से खाने - पीने की चींजों का आस्वाद ले रहे थे । कुछ लोग जितना चाहिए उतना ही खाना लेकर खा रहे थे । लेकिन कुछ लोग जितना खाना परोस कर ले रहे थे । उसे न खाकर वैसा ही छोड़ रहे थे । यह देखकर मेरे मन में विचार आए कि मैं कहूँ, आप लोग जितना खा सकते हैं, उतना ही खाना लीजिए । खानें को इस तरह कचरे में मत फेंकिए । भोजन को बर्बाद करना पाप है । कितने लोग इस देश में ऐसे हैं, जिन्हें दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती । आप हो कि भोजन को कूड़ेदान में फेंक रहे हो । बचे हुए खाने को गरीबों में बाँट दिया जायेगा । जिनसे उनका पेट भरेगा और हमें दुआ मिलेगी । आपको पता नहीं कि कितने परिश्रम और मेहनत के बाद यह अनाज पैदा होता है ? चिलचिलाती धूप, कड़ाके की ठंढ और मूसलाधार बरसात में कठिन परिश्रम करके हमारे देश का किसान अपने खेतों में अनाज पैदा करता है और आप हैं कि खाने को इस तरह कूड़ेदान में फेंक रहे हैं ।

❖❖❖❖